INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Sample Paper – IV (2020-21)

Class: 10 Sub: Hindi (Course-B) Max Marks: 80

Day & Date: Wednesday, 30-12-2020 Time: 3 hours

***Ge**neral Instructions:*

1. *All questions are compulsory.*
2. *The question paper consists of **…17….** questions divided into**…2.** Sections.*
3. *There is no overall choice. However, internal choices have been provided.*
4. *This question paper consists of **…11…** printed pages.*

खंड - अ वस्तुपरक प्रश्न (अंक 40)

अपठित गद्यांश (10 अंक)

प्रश्न 1. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5×1=5

गद्यांश - I

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या-1 में दिए गए गद्यांश- I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

बबूल का बीज बोकर आम के पेड़ की आशा नहीं की जा सकती। बच्चे के अंतःकरण में रोपा गया बीज प्रस्फुटित होकर समाज-हित में कोई फल देता है तो वह उसके संस्कारी होने का प्रतीक है। संस्कार उस नींव का नाम है, जिस पर व्यक्तित्व की इमारत खड़ी होती है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान उनकी अपेक्षा के अनुसार बने; परंतु कई बाहरी परिस्थितियाँ, सांस्कृतिक प्रदूषण, उपभोक्ता संस्कृति–जैसे कारण आज की युवा पीढ़ी एवं बच्चों को अपनी गिरफ़्त में लिए हुए हैं। खान-पान, रहन-सहन, तौर-तहज़ीब, चिंतन-मनन सभी क्षेत्रों में पाश्चात्य संस्कृति एवं सभ्यता हावी होती जा रही है। बच्चे उपदेश से नहीं, अनुकरण से सीखते हैं। बालक की प्रथम गुरु माता अपने बालक में आदर, स्नेह एवं अनुशासन–जैसे गुणों का सिंचन अनायास ही कर देती है। परिवाररूपी पाठशाला में बच्चा अच्छे और बुरे का अंतर समझने का प्रयास करता है। आजकल परिवार में माता-पिता–दोनों की व्यस्तता के कारण बच्चों में धैर्यपूर्वक सुसंस्कारों के सिंचन–जैसा महत्त्वपूर्ण कार्य उपेक्षित हो रहा है। कदाचित माता-पिता भौतिक सुख-साधन उपलब्ध कराकर बच्चों को सुखी और ख़ुश रखने की परिकल्पना करने लगे हैं–इस भ्रांतिमूलक तथ्य को जानना होगा, अच्छा संस्काररूपी धन ही बच्चों के पास छोड़ने का मानस बनाना होगा।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-

(1) बच्चे के संस्कारी होने का क्या प्रतीक है?

I. उसके द्वारा खाए गए फल के साथ बीज को भी निगलना

II. उसके अंतःकरण में रोपे गए संस्कार द्वारा समाज के सुधार में सहयोग देना

III. बबूल का बीज बोकर आम के पेड़ की आशा करना

IV. उपर्युक्त में से कोई नहीं

(2) हर माता-पिता यह चाहते हैं कि उनकी संतान उनकी आशा के अनुकूल बने, परंतु आज ऐसा क्यों नहीं हो रहा है?

I. बाहरी परिस्थितियों के कारण
II. सांस्कृतिक प्रदूषण के कारण
III. उपभोक्ता संस्कृति के कारण
IV. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

(3) 'सुसंस्कारों के चिंतन'–जैसा महत्त्वपूर्ण कार्य आज उपेक्षित क्यों हो रहा है?

I. माता-पिता–दोनों की व्यस्तता के कारण
II. बच्चों को उपदेश न देने के कारण
III. पाश्चात्य संस्कृति एवं सभ्यता की उपेक्षा के कारण
IV. परिवार के सदस्यों का अनुकरण करने के कारण

(4) माता अपने बालक में किन गुणों को प्रतिस्थापित करती है?

I. वह अपने बालक में स्नेह को प्रतिस्थापित करती है।
II. वह अपने बालक में आदर को प्रतिस्थापित करती है।
III. वह अपने बालक में अनुशासन को प्रतिस्थापित करती है।
IV. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

(5) निम्नलिखित में से <u>सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक का चयन</u> कीजिए:

I. बबूल का पेड़
II. आम का बीज
III. संस्काररूपी धन
IV. व्यक्तित्व की इमारत

<u>अथवा</u> गद्यांश-II

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या-1 में दिए गए गद्यांश- II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

जो लोग अपनी असफलताओं के लिए या जीवन में गतिरोध के लिए हालातों को ज़िम्मेदार ठहराते हैं, वे या तो ग़लती पर हैं या हालात से डरते हैं। वे या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फँसे हुए हैं। वे या तो आलसी हैं या अकर्मण्य हैं। एक कारण और भी हो सकता है कि उनकी नीयत और नीति में मेल न हो। यह अति आवश्यक है कि नीयत और नीति दोनों एक सूत्र में पिरोए हुई हों अर्थात मेल खाती हों। ऐसा कदापि संभव नहीं है कि दोनों में अंतर आने पर व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सके। नीति एक पथ है, जिस पर चलकर व्यक्ति अपने किसी प्रयोजन को पूर्ण करता है और नीयत मानसिक इच्छा है, जो खोटी भी हो सकती है और खरी भी। खोटी नीयत वाला व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक सकता और यदि टिकेगा, तो बहुत कम समय के लिए; केवल तब तक, जब तक उसकी नीयत खुलकर सामने नहीं आती क्योंकि नीति की जननी नीयत है और जब जननी में ही दोष है, तो संतान में कोई न कोई विकृति अवश्य आ जाएगी। ऐसे में वह मनुष्य ग़लत नीयत एवं नीति के कारण पतन का भागी होगा। हालातों को असफलता के लिए ज़िम्मेदार ठहराना ठीक नहीं लगता क्योंकि हालात तो उनके साथ भी वही होते हैं या लगभग वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी असफलता की ज़िम्मेदारी खुद नहीं ले सकता, तो वह अपनी सफलता की ज़िम्मेदारी लेने के काबिल नहीं है। जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हों।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-

(1) किस तरह के लोगों की नीयत और नीति में मेल नहीं होता?

I. जो अपनी असफलताओं तथा जीवन में आने वाली रुकावटों के लिए हालातों को ज़िम्मेदार मानते हैं।

II. जो या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फँसे हुए हैं तथा अकर्मण्य हैं।

III. विकल्प संख्या I और II – दोनों सही हैं।

IV. उपर्युक्त विकल्पों में से कोई सही नहीं है।

(2) खोटी नीयत वाला व्यक्ति इस संसार में क्यों नहीं टिक सकता?

I. उसके कार्य में विकृति होती है।

II. वह बहुत अच्छी नीयत रखता है।

III. वह हमेशा उत्थान की ओर अग्रसर होता है।

IV. वह उचित नीतियों का पालन करता है।

(3) हालातों को असफलता के लिए ज़िम्मेदार ठहराना ठीक क्यों नहीं है?

I. हालात तो सभी के बहुत अच्छे होते हैं।

II. हालात तो सभी के बहुत बुरे होते हैं।

III. हालात तो सभी के बहुत अच्छे-बुरे होते हैं।

IV. हालात तो उनके भी वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं।

(4) जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हों–ऐसा क्यों कहा गया है?

I.अनुकूल परिस्थितियों का सामना करने के बाद जो परिस्थितियाँ आती हैं, उन्हीं में वास्तविक आनंद है।

II. जब मनुष्य विषम अथवा प्रतिकूल परिस्थितियों का धैर्यपूर्वक सामना करता है, तो उसके बाद की परिस्थितियों में उसे असली आनंद आता है।

III. उपर्युक्त दोनों कथन सही हैं।

IV. उपर्युक्त में से कोई भी कथन सही नहीं है।

(5) लेखक के अनुसार, नीति और नीयत क्या है?

I. नीति एक मानसिक इच्छा है और नीयत एक पथ है।

II. नीति खरी-खोटी भी हो सकती है और नीयत हमारा प्रयोजन पूर्ण करती है।

III. नीति एक पथ है जो प्रयोजन पूर्ण करती है और नीयत मानसिक इच्छा, जो खोटी भी हो सकती है।

IV. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

प्रश्न 2. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5×1=5

गद्यांश - I

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या-2 में दिए गए गद्यांश- I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की सबसे पहली पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सकता है। केवल भारत ही एक देश है, जिसमें शिक्षित व्यक्ति वह समझा जाता है, जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं, किंतु अंग्रेज़ी में जिसकी दक्षता असंदिग्ध हो। संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है, जिसके घर में अपनी भाषा की पुस्तकों का संग्रह हो और जिसे बराबर यह पता रहे कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक और कवि कौन हैं तथा समय-समय पर

उनकी कौन-सी कृतियाँ प्रकाशित हो रही हैं। भारत में स्थिति दूसरी है। यहाँ प्रायः घर में साज-सज्जा के आधुनिक उपकरण तो होते हैं, किंतु अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती। यह दुरावस्था भले ही किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है, किंतु वह सुदशा नहीं, दुरावस्था ही है और जब तक यह दुरावस्था कायम है, हमें अपने-आप को, सही अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत मानने का ठीक-ठीक न्यायसंगत अधिकार नहीं है। इस दुरावस्था का एक भयानक दुष्परिणाम यह है कि भारतीय भाषाओं के समकालीन साहित्य पर उन लोगों की दृष्टि नहीं पड़ती, जो विश्वविद्यालयों के प्रायः सर्वोत्तम छात्र थे और अब शासन-तंत्र में ऊँचे ओहदों पर काम कर रहे हैं। इस दृष्टि से भारतीय भाषाओं के लेखक केवल यूरोपीय और अमेरिकी लेखकों से ही हीन नहीं हैं, बल्कि उनकी किस्मत मिस्र, बर्मा, इंडोनेशिया, चीन और जापान के लेखकों की किस्मत से भी ख़राब है क्योंकि इन सभी देशों के लेखकों की कृतियाँ वहाँ के अत्यंत सुशिक्षित लोग भी पढ़ते हैं। केवल हम ही हैं, जिनकी पुस्तकों पर यहाँ के तथाकथित शिक्षित समुदाय की दृष्टि प्रायः नहीं पड़ती।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-

(1) संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति किसे समझा जाता है?

I. जिसके घर में अंग्रेज़ी भाषा की पुस्तकों का संकलन हो।
II. जिसे अपनी भाषा के श्रेष्ठ कवियों और लेखकों का पता न हो।
III. जिसकी समय-समय पर रचनाएँ प्रकाशित हो रही हों।
IV. जिसके घर में अपनी भाषा की पुस्तकों का संकलन हो।

(2) भारत में मातृभाषा के साहित्य की क्या स्थिति है?

I. यहाँ पर आधुनिक साज-सज्जा के उपकरण नहीं दिखाई देते।
II. अपनी भाषा की कोई पुस्तक अथवा पत्रिका दिखाई नहीं देती।
III. घर-घर में मातृभाषा के ग्रंथ दिखाई देते हैं।
IV. हर व्यक्ति अपनी मातृभाषा में साहित्य-सृजन की क्षमता रखता है।

(3) भारतीय भाषाओं के लेखकों की किस्मत क्यों ख़राब है?

I. यहाँ मातृभाषा की पुस्तकों पर शिक्षित समुदाय की नज़र प्रायः नहीं पड़ती।
II. यूरोपीय और अमेरिकी लेखक भारतीय लेखकों से हीन हैं।
III. चीन, बर्मा, इंडोनेशिया आदि के लेखकों की किस्मत भी ख़राब है।
IV. अन्य देशों के लेखकों की कृतियाँ वहाँ के सुशिक्षित लोग नहीं पढ़ते।

(4) भारत देश में कौन-सा व्यक्ति शिक्षित समझा जाता है?

I. जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो।
II. जो अंग्रेज़ी में अवश्य प्रवीण हो।
III. जिसे अपने देश के सभी अच्छे लेखकों का ज्ञान हो।
IV. जिसकी कृतियाँ समय-समय पर प्रकाशित होती हों।

(5) लेखक के अनुसार भारत में मातृभाषा के साहित्य की दुरावस्था किस प्रक्रिया का परिणाम है?

I. किसी पौराणिक प्रक्रिया का
II. किसी सांस्कृतिक प्रक्रिया का
III. किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का
IV. किसी सामाजिक प्रक्रिया का

अथवा गद्यांश-II

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या-2 में दिए गए गद्यांश- II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता। उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं, उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है। उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है, किंतु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवं उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और थोथे आत्म-गौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते हैं कि जीवन-पर्यंत उसे दृष्टिगोचर ही नहीं हो पाते। इसीलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण-संपन्न देवता समझ बैठता है। क्षुद्र व्यक्ति एवं मस्तिष्क अपनी क्षुद्र सीमा से परे किसी भी वस्तु का सही मूल्य आँकने में असमर्थ रहते हैं। इसलिए व्यक्ति स्वयं के द्वारा जितना छला जाता है, उतना किसी अन्य के द्वारा नहीं। आत्म-विश्लेषण करना कोई सहज कार्य नहीं। इसके लिए अत्यंत उदारता, सहनशीलता एवं महानता की आवश्यकता होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं कि आत्म-विश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता। अपने गुणों-अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है। अपने दोषों से वह हर पल, हर क्षण अवगत रहता है, किंतु अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता होती है और यही उसे आत्म-विश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती। उसमें इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को स्वयं देख कर कह सके। इसके विपरीत पर-निंदा एवं पर-दोष-दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगड़ता, उलटे मनुष्य आनंद अनुभव करता है, परंतु आत्म-विश्लेषण करके अपने दोष देखने से मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से निर्देशानुसार <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए:-

(1) मनुष्य स्वयं को क्यों नहीं देख पाता?

I. उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को नहीं देखते।

II. उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव नहीं करता।

III. उसकी वाणी दूसरों के गुणों का विश्लेषण कर सकती है।

IV. उसका अपना चरित्र, अपने दोष और झूठा दंभ उसे जीवन भर दिखाई नहीं देते।

(2) मनुष्य स्वयं को सर्वगुणसंपन्न देवता क्यों समझता है?

I. उसका अपना चरित्र एवं उसके अपने अवगुण मिथ्याभिमान से ढके रहते हैं।

II. वह अन्यों के द्वारा छला जाता है।

III. वह किसी भी वस्तु का सही मूल्य आँकने में समर्थ होता है।

IV. उसका थोथा आत्मसम्मान उसे जीवन-पर्यंत दृष्टिगोचर होता रहता है।

(3) आत्म-विश्लेषण के लिए क्या आवश्यक है?

I. आत्म-विश्लेषण के लिए अत्यंत उदारता की आवश्यकता होती है।

II. आत्म-विश्लेषण के लिए अत्यंत सहनशीलता की आवश्यकता होती है।

III. आत्म-विश्लेषण के लिए अत्यंत महानता की आवश्यकता होती है।

IV. उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

(4) परनिंदा क्यों सरल है?

I. पर निंदा करके मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है।

II. पर-निंदा एवं पर-दोष-दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगड़ता।

III. उसमें आत्म-विश्लेषण की अनुभूति सदैव रहती है।

IV. उसमें अपने दोषों को मानने की दुर्बलता होती है।

(5) निम्नलिखित में से <u>सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक का चयन</u> कीजिए:

I. परनिंदा II. सर्वगुण-संपन्न देवता III. आत्म-विश्लेषण IV. क्षुद्र सीमा

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

प्रश्न 3. निम्नलिखित <u>पाँच</u> भागों में से किन्हीं <u>चार</u> भागों के उत्तर दीजिए:- 4×1=4

(1) 'गीता पढ़ने वाले आप उपदेश देने के वास्तविक अधिकारी हैं।' – वाक्य में सही पदबंध है:

I. गीता पढ़ने वाले – संज्ञा पदबंध III. उपदेश देने के – क्रिया पदबंध

II. गीता पढ़ने वाले आप – सर्वनाम पदबंध IV. वास्तविक अधिकारी – विशेषण पदबंध

(2) 'बँगले के पीछे लगा हुआ पेड़ फलों से लदा हुआ है।' – वाक्य में सही पदबंध है:

I. बँगले – संज्ञा पदबंध III. बँगले के पीछे लगा हुआ – विशेषण पदबंध

II. पीछे लगा हुआ – क्रियाविशेषण पदबंध IV. लदा हुआ है – क्रियाविशेषण पदबंध

(3) दिए गए विकल्पों में से संज्ञा पदबंध कौन-सा है?

I. **<u>रोज़ दूध देने वाला ग्वाला</u>** आज नहीं आया। III. खिली हुई कलियाँ **<u>बहुत सुंदर</u>** लगती हैं।

II. **<u>गीत गाती हुई</u>** स्त्रियाँ पानी भरने जा रही थीं। IV. कसरत करने वाले लोग **<u>स्वस्थ रहते हैं</u>**।

(4) स्मिता <u>हँसते हुए</u> बातें कर रही थी। रेखांकित पदबंध का भेद है –

I. क्रियाविशेषण पदबंध III. क्रिया पदबंध

II. सर्वनाम पदबंध IV. विशेषण पदबंध

(5) <u>सबसे तेज़ दौड़ने वाला</u> लड़का आज दौड़ में हिस्सा नहीं ले रहा। रेखांकित पदबंध का भेद है –

I. संज्ञा पदबंध III. विशेषण पदबंध

II. सर्वनाम पदबंध IV. क्रिया पदबंध

प्रश्न 4. निम्नलिखित <u>पाँच</u> भागों में से किन्हीं <u>चार</u> भागों के उत्तर दीजिए:- 4×1=4

(1) 'वर्ल्ड-कप खेलने आए खिलाड़ियों को पाँच सितारा होटल में ठहराया गया।' इसका मिश्र वाक्य होगा–

I. जो खिलाड़ी वर्ल्ड-कप खेलने आए हैं, उन्हें पाँच सितारा होटल में ठहराया गया।

II. खिलाड़ी वर्ल्ड-कप खेलने आए हैं और उन्हें पाँच सितारा होटल में ठहराया गया।

III. खिलाड़ी वर्ल्ड-कप खेलने आए हैं, इसलिए उन्हें पाँच सितारा होटल में ठहराया गया।

IV. खिलाड़ी वर्ल्ड-कप खेलने आए हैं कि उन्हें पाँच सितारा होटल में ठहराया गया।

(2) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य छाँटिए –

I. देश को विकास की राह पर ले जाना है, इसलिए हमें अपना आचरण सुधारना चाहिए।

II. देश को विकास की राह पर ले जाने के लिए हमें अपना आचरण सुधारना चाहिए।

III. हमें अपना आचरण सुधारना चाहिए, क्योंकि हमें देश को विकास की राह पर ले जाना है।

IV. यदि हम अपना आचरण सुधारेंगे, तो देश को विकास की राह पर ले जाएँगे।

(3) जल्दी से खाना समाप्त करो और पढ़ने बैठ जाओ। रचना के आधार पर वाक्य-भेद है –

I. संयुक्त वाक्य III. मिश्रित वाक्य

II. सरल वाक्य IV. जटिल वाक्य

(4) जब वामीरो कुछ सचेत हुई, तब घर की तरफ़ दौड़ी। रेखांकित आश्रित उपवाक्य का भेद बताइए।

I. संज्ञा आश्रित उपवाक्य III. विशेषण आश्रित उपवाक्य

II. प्रधान उपवाक्य IV. क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

(5) 'चाजीन' ने बगल के कमरे से कुछ बरतन लाकर उन्हें तौलिए से साफ़ किया। – रचना की दृष्टि से इस वाक्य का भेद होगा:

I. मिश्र वाक्य III. संयुक्त वाक्य

II. सरल वाक्य IV. मुख्य वाक्य

प्रश्न 5. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए:- 4×1=4

(1) 'तुलसीदल' समस्तपद का सही विग्रह तथा समास का नाम चुनिए –

I. तुलसी के लिए दल – अधिकरण तत्पुरुष III. तुलसी है जो दल – कर्मधारय समास

II. तुलसी और दल – द्वंद्व समास IV. तुलसी का दल (पत्ता) – संबंध तत्पुरुष

(2) 'चार भुजाओं का समूह' विग्रह का सही समस्तपद तथा समास का नाम लिखिए:

I. चतुरानन – कर्मधारय समास III. चतुर्भुज – द्विगु समास

II. चौराहा – अव्ययीभाव समास IV. चतुर्मुख – द्वंद्व समास

(3) रेखांकित समस्तपद का सही विग्रह तथा समास का नाम चुनिए –

मीरा **गिरधर** गोपाल की अनन्य भक्त थीं।

I. गिरि है जो धारण – कर्मधारय समास III. गिरि को धारण करने वाला (श्रीकृष्ण) – बहुव्रीहि

II. गिरि के अनुसार धारण – अव्ययीभाव IV. गिरि को धारण – कर्म तत्पुरुष

(4) निम्नलिखित रेखांकित पदों का सामासिक शब्द तथा उसका भेद चुनिए –

हमें **बुद्धि के अनुसार** व्यवसाय का चुनाव करना है।

I. यथाबुद्धि – अव्ययीभाव समास III. बुद्धि-अनुसार – द्वंद्व समास

II. बुद्धिनुसार – कर्मधारय समास IV. यथेबुद्धि – कर्म तत्पुरुष

(5) 'काठगोदाम' समस्तपद का विग्रह है –

I. काठ में गोदाम II. काठ से गोदाम III. काठ का गोदाम IV. गोदाम में काठ

प्रश्न 6 निम्नलिखित **चारों** भागों के उत्तर दीजिए:- 4×1=4

(1) ठाकुरबारी के महंत और हरिहर काका के भाई उनकी ज़मीन पर _____ लगाए बैठे थे।

उपयुक्त मुहावरे से **रिक्त स्थान** की पूर्ति कीजिए: –

I. गिद्ध दृष्टि II. काग दृष्टि III. मयूर दृष्टि IV. व्याल दृष्टि

(2) 'सख़्ती से पेश आना' किस मुहावरे के अर्थ को दर्शाता है?

I. आड़े हाथों लेना II. आँखें दिखाना III. आगबबूला होना IV. अंगारे बरसाना

(3) 'पहाड़ टूट पड़ना' मुहावरे का अर्थ है –

I. बाढ़ आ जाना II. ज्वालामुखी फटना III. अधिक वर्षा होना IV. बहुत भारी कष्ट आ पड़ना

(4) महाराज शिवाजी ने अनेक बार मुग़ल सेना के _____ ।

I. मुँह की खाई II. ईंट से ईंट बजा दी III. होश उड़ा दिए IV. छक्के छुड़ा दिए

पाठ्य-पुस्तक (14 अंक)

प्रश्न-7.निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के **सर्वाधिक उपयुक्त** विकल्पों का चयन कीजिए:- 4×1=4

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।
अतीव भाग्यहीन है अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(1) कवि ने मदांध किन लोगों को कहा है?

I. नशे में चूर रहने वाले III. पद का नशा रखने वाले
II. धन का घमंड करने वाले IV. उपलब्धि का नशा रखने वाले

(2) उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने भाग्यहीन किसे कहा है?

I. दुर्बलता से अधीर व्यक्ति को III. अन्याय सहने वालों को
II. निर्धन को IV. अपने गुणों को न पहचानने वालों को

(3) उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने ईश्वर को त्रिलोकनाथ क्यों कहा है?

I. संसार का निर्माण करने के कारण III. दयालुता के कारण
II. दीनबंधु और सभी लोकों का स्वामी होने के कारण IV. प्रेम के कारण

(4) 'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे' – इस पंक्ति का अर्थ है –

I. जो परहित के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दे
II. जो लोक-कल्याण हेतु स्वयं के प्राणों का त्याग कर दे
III. परोपकार करते हुए अपनी ज़िंदगी क़ुर्बान कर देना ही जिसका लक्ष्य हो
IV. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

प्रश्न-8.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के **सर्वाधिक उपयुक्त** विकल्पों का चयन कीजिए:-5×1=5

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं, उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ़्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की

ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आख़िर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा ग़ालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर ख़ामोश और उदास बैठे रहते हैं।

(1) वर्सोवा में जहाँ आज लेखक का घर है, पहले वहाँ दूर तक क्या था?

I. तालाब II. नदियाँ III. जंगल IV. समुद्र

(2) चरिंदे का आशय है –

I. चरागाह II. भोजनालय III. पशु IV. पक्षी

(3) परिंदों-चरिंदों से उनका घर कैसे छिन गया?

I. बड़े-बड़े बिल्डरों ने मकान बना दिए। III. समुद्र ने जंगलों को निगल लिया।

II. इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। IV. उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।

(4) कबूतरों के कारण लेखक और उनकी पत्नी को परेशानी क्यों होने लगी?

I. वे दिन में कई-कई बार आते-जाते थे। III. वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते थे।

II. कभी लाइब्रेरी में कबीर या मिर्ज़ा ग़ालिब को सताते। IV. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

(5) लेखक की पत्नी ने कबूतरों द्वारा रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर क्या किया?

I.उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी। III.बच्चों को दूसरी जगह कर दिया।

II. उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा था। IV. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

प्रश्न-9.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के **<u>सर्वाधिक उपयुक्त</u>** विकल्पों का चयन कीजिए:-5×1=5

कर्नल – जंगल की ज़िंदगी बड़ी ख़तरनाक होती है।

लेफ़्टीनेंट– हफ़्तों हो गए यहाँ ख़ेमा डाले हुए। सिपाही भी तंग आ गए हैं। ये वज़ीर अली आदमी है या भूत, हाथ ही नहीं लगता।

कर्नल – उसके अफ़साने सुन के रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ उसके दिल में किस क़दर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से बिलकुल पाक कर देने में तक़रीबन कामयाब हो गया था।

(1) कौन लोग जंगल में ख़ेमा डालकर पड़े हुए हैं?

I. रॉबिनहुड II. मुग़ल सैनिक III. वज़ीर अली IV. कंपनी-सेना के अधिकारी

(2) कंपनी किसे पकड़ना चाहती है?

I. सआदत अली को II. आसिफ़उद्दौला को III. रॉबिनहुड को IV. वज़ीर अली को

(3) वज़ीर अली ने अपने शासनकाल में कौन-सा महत्त्वपूर्ण काम किया था?

I. उसने अंग्रेज़ों से आत्मीय संबंध बनाए। III. वह अंग्रेज़ी शासन का पक्षधर बना रहा।

II. अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से पाक किया। IV. उसने अंग्रेज़ों को मार डाला।

(4) वज़ीर अली के हृदय में अंग्रेज़ों के विरुद्ध किस भावना का परिचय मिलता है?

I. ईर्ष्या II. प्रेम III. घृणा IV. स्नेह

(5) रॉबिनहुड के कारनामे किस कारण प्रसिद्ध हैं?

I. साहसी योद्धा होने के कारण III. छल-कपट के कारण

II. चतुराई के कारण IV. महत्त्वाकांक्षा के कारण

खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न (अंक 40)

पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक (अंक 14)

प्रश्न 10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:-** 2×2=4

(i) कबीर ने अपने दोहे में 'हिरण' का उदाहरण किस संदर्भ में दिया है? क्या आप उनसे सहमत हैं?

(ii) रूढ़ियाँ कब बुराई का रूप धारण कर लेती हैं? उनसे छुटकारा कैसे पाया जा सकता है? 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) मीराबाई ने श्रीकृष्ण की चाकरी की अभिलाषा क्यों व्यक्त की है?

प्रश्न 11. **निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:-** 1×4=4

'बड़े भाई साहब' कहानी में छोटा भाई लगातार प्रथम आकर भी अपने असफल होने वाले भाई साहब का पूरा सम्मान करता है, इसके पीछे निहित मूल्यों की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-** 2×3=6

(i) पाठ 'सपनों के-से दिन' के आधार पर लेखक के ज़माने में फ़ौज में भर्ती करने के लिए क्या तरीका अपनाया जाता था? लोगों के मन में फ़ौजी जीवन की कौन-कौन-सी विशेषताएँ घर कर जाती थीं?

(ii) इफ़्फ़न की दादी ज़मींदार की बेटी थीं। अपनी ससुराल के वातावरण में स्वयं को ढालने में उन्हें किन असुविधाओं का सामना करना पड़ा? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(iii) ठाकुरबारी सदृश संस्थाओं का ग्रामीण समाज के प्रति कर्तव्यों तथा भूमिका पर प्रकाश डालिए।

लेखन (अंक 26)

प्रश्न-13.**निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए:-** 1×6=6

1. भारतीय किसान के कष्ट

संकेत बिंदु – * अन्नदाता की कठिनाइयाँ * कठोर दिनचर्या * सुधार के उपाय।

2. कथनी और करनी समान होनी चाहिए

संकेत बिंदु – * वाणी पर संयम * कथनी और करनी में संबंध * दोनों की एकरूपता।

3. ऑनलाइन कक्षाओं के लाभ तथा हानियाँ

संकेत बिंदु – * शिक्षा का नया माध्यम * लाभ तथा हानियाँ * उचित प्रयोग आवश्यक * सुझाव।

प्रश्न-14. **आप 24/8, गांधी नगर, चेन्नई के अभिनंदन/समीक्षा हैं। आपने छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को उसके जन्मदिन का उपहार स्पीड पोस्ट से भेजा, जो एक मास बीत जाने पर भी उसे नहीं मिला। अधीक्षक, पोस्ट ऑफ़िस को पत्र लिखकर शीघ्र कार्यवाही करने का अनुरोध कीजिए।** 1×5=5

अथवा

आप फ़्लैट सं॰ 108, माधवधाम सोसाइटी, बांद्रा, मुंबई के निवासी सक्षम/जिज्ञासा हैं। अपने क्षेत्र के अस्पताल के प्रबंध पर असंतोष व्यक्त करते हुए वहाँ के मुख्य चिकित्सा-अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्रश्न-15. **दिल्ली में जनकपुरी से लेकर बोटैनिकल गार्डन तक बिना चालक वाली मेट्रो ट्रेन सेवा आरंभ हो चुकी है। इसके रूट, समय-सारिणी, किराये तथा अन्य सुविधाओं आदि विषय पर यात्रियों के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक की ओर से 30-40 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।** 1×5=5

अथवा

आप दसवीं कक्षा के छात्र हैं। आने वाली बोर्ड-परीक्षाओं में उत्तम प्रदर्शन के लिए विद्यालय द्वारा अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन किया गया है। विषयों, दिन, समय, स्थान, ट्रांसपोर्ट आदि की जानकारी देते हुए प्राचार्य की ओर से कक्षा 10 के सभी विद्यार्थियों के लिए 30-40 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

प्रश्न-16. **'प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना' विषय पर निर्धन ग्रामीणों हेतु समाज-कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से लगभग 25 से 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।** 1×5=5

अथवा

नववर्ष के अवसर पर आपके शहर के एक बड़े मॉल में कपड़ों और जूतों की भारी सेल लगी है। शहरवासियों के लिए लगभग 25 से 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्रश्न-17. **'क़िस्मत का खेल' – विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए।**

अथवा

'अपने-पराये' – विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए। 1×5=5